पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा यूपी 100 तथा जी.आर.पी. की आपातकालीन सेवाओं के एकीकरण का शुभारम्भ

श्री ओ0पी0 सिंह, पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा आज दिनांक 15.11.2018 को यूपी 100 तथा राजकीय रेलवे पुलिस(जी.आर.पी.) की आपातकालीन सेवाओं के एकीकरण का शुभारम्भ जी. आर.पी. मुख्यालय, लखनऊ में किया गया। यह पूरे देश में इस प्रकार की पहली ऐसी व्यवस्था है। इसके परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश में यात्रा कर रहे रेल यात्रियों के लिए इमरजेंसी सेवा प्राप्त करना अत्यन्त सुगम हो जाएगा। किसी भी स्थान–स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म तथा चलती ट्रेनों से केवल 100 नम्बर मिलाने पर तीनों प्रकार की सहायता (पुलिस, फायर तथा मेडिकल) ली जा सकेगी। यात्री विभिन्न माध्यमों जैसे सोशल मीडिया, वेबसाईट, तथा एम.एम.एस तथा ऐप से भी सम्पर्क कर सकेंगे। प्रारम्भ में रेल–सम्बन्धी 169 प्रकार की घटनाओं को चिन्हित कर उनकी मानक परिचालन प्रक्रिया (एस.ओ.पी.) तैयार की गयी है।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा बताया गया कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से पुलिस की एक सेवा उन्मुखी तस्वीर उभर कर आ रही है। जनमानस की सुरक्षा की भावना को संवेदनशीलता से भॉप कर उस पर त्वरित स्मार्ट रिस्पांस देने से पुलिस आगे बढती रहेगी। यात्रियों के लिये आने वाले समय में सभी एकीकृत इकाईयों द्वारा तत्परता से सेवा प्रदान की जायेगी। यह एक ऐतिहासिक पहल है, जो आने वाले समय में अन्य राज्यों के लिये भी अनुकरणीय हो सकता है।

उत्तर प्रदेश, भारत के रेल मानचित्र पर व्यवस्ततम् राज्यों में से एक है। एकीकरण के पश्चात ट्रेन से कॉल वाले यात्रियों की लोकेशन स्वतः प्राप्त हो पाएगी, जिसमें वांछित स्थान पर तत्काल सहायता दी जा सकेगी। विगत दो वर्षो से सिद्ध यूपी 100 की संचार क्रियाशीलता तथा आपातकालीन सेवाओं में व्यवसायिक दक्षता का लाभ जी.आर.पी. के माध्यम से रेल यात्रियों को मिल सकेगा।

इस सेवा की प्रक्रिया यह होगी कि सबसे पहले रेल यात्री की सूचना यूपी 100 मुख्यालय पद दर्ज कर इवेंट बनाया जाएगा। फिर इसे एक साथ सम्बन्धित जी.आर.पी. थाने की एम.डी.टी (मोबाइल डाटा टर्मिनल) तथा सम्बन्धित रेल अनुभाग के कन्ट्रोल रूम को प्रेषित कर दिया जाएगा। आवश्यकतानुसार यूपी 100 की पी0आर0वी0, जनपदीय पुलिस, फायर टेंडर तथा एम्बुलेंस को भी बताया जाएगा। उच्चाधिकारियों को भी घटना की गम्भीरता के अनुसार संदेश भेजे जाएंगे। सभी इकाईया एस.ओ.पी. के अनुरूप अपना कार्य कर सहायता प्रदान करते हुए इवेंट को न्यूनतम समय में निस्तारित करेंगी।

एकीकरण के अन्तर्गत जी.आर.पी. मुख्यालय, आईजी जोन (रेलवे) प्रयागराज तथा सभी छह जी.आर.पी. अनुभागों के नियंत्रण कक्ष को एक–एक मॉनिटरिंग टर्मिनल के माध्यम से यूपी 100 मुख्यालय से जोड़ा गया है। 65 जी.आर.पी. थानों को आंकलन–पश्चात एक, दो अथवा तीन एम.डी.टी.(कुल 83 एम.डी.टी.) प्रदान की गई है। जी.आर.पी. मुख्यालय द्वारा सभी 169, एस.ओ.पी. का परीक्षण कर बेहतर से बेहतर आपातकालीन सेवाएँ प्रदान किये जाने का प्रयास किया गया है। सभी केन्द्र इन्टरनेट फोन के माध्यम से आपस में, तथा जनपदों से समन्वय स्थापित कर सकेंगे। अब डाटा विश्लेषण तथा फीडबैक की सुविधा मिलने पर रेल पुलिस की सेवाएँ निरन्तर उन्नत होती रहेगी।

इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक(जी.आर.पी.) द्वारा बताया गया कि विगत दिनों में इस व्यवस्था का सफल परीक्षण कराया जा चुका है। अधिकारी सतत् मानिटरिंग के

माध्यमों से रिस्पांस का स्तर सुनिश्चित कर सकेंगे, जिससे रेल यात्रियों के निश्चित लाभ मिलेगा। पूरे प्रदेश के जी.आर.पी. थानों का डिजिटल मैप तैयार होने से हर इमरजेंसी घटना का आवंटन सटीक होगा। कॉलर को हर ट्रेन और हर स्टेशन पर उच्च कोटि की एक समान सेवा मिलेगा।

आज के कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा इंस्पेक्टर जो.आर.पी. लखनऊ को एक एम.डी.टी. तथा एस.ओ.पी. की पुस्तिका प्रदान कर सेवा का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर राज्य रेडियो अधिकारी द्वारा एकीकृत सेवा की संरचना तथा आम जनमानस को मिलने वाले लाभ के सम्बन्ध में एक प्रस्तुतीकरण दिया गया। तत्पश्चात् पुलिस महानिदेशक द्वारा फीता काटकर मुख्यालय नियंत्रणस कक्ष के नए रूप का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक, रेलवे, अपर पुलिस महानिदेशक (आईटेक्स), अपर पुलिस महानिदेशक, पीएसी, अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवायें, अपर पुलिस महानिदेशक, लॉजिस्टिक, अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन तथा अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

यूपी 100 UP
GRP UP

यूपी 100 UP
GRP